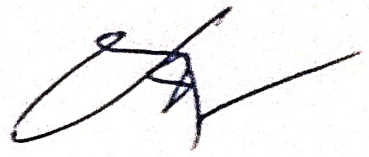


प्राक्ती पेश हुई। वकील वही अनुपस्थित। प्रतिवर्द्धाण
के समत पेश करने का स्वेथा भंतिम अवसर
दिया जाकर प्राक्ती अर्द्धा दिनांक 6/9/24
को पेश हो।



6/9/24

प्राक्ती पेश हुई। वही वकील अनुपस्थित। वही स्वयं
अनुपस्थित। वही वकील को न्यायालय समय में रुक
नेक कर तीन बार आवान लगाई गई न वो वही
वकील उपस्थित हुआ और न ही वही स्वयं उपस्थित
हुआ। अतः प्राक्ती अर्द्धा पैरवी। अर्द्धा द्वारा
में बरिफ की जाती है। प्राक्ती कैसल शुभर
होकर हारिल हतर हो। सख्या से एक कम हो।

